

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

2. (Signature) _____
(Name) _____

Test Booklet No.

D-6005

PAPER – III

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN

Time : 2½ hours]

& PEACE STUDIES

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 48

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN AND PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गांधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein and *according to their major specialization/elective only.*

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये *विस्तृत निर्देशों के अनुसार और केवल अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार देना है।*

BUDDHIST STUDIES

बौद्ध अध्ययन

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Note : *Read the following passage and answer the undernoted Five questions each in 30 words :*

Buddha, while describing religion as a way of life, has mentioned its three steps. They are - Morality, Meditation and Wisdom. They appear one after another and sometimes one substitutes the other. Through the observation of Morality, physical and vocal misdeeds are avoided, deeds and words will become purified. Morality is manifested in various ways of obeying sundry rules which may be expressed as Fivefold Precept, Eightfold Precept, Tenfold Precept, Controlling of the Faculties etc. Through the practice of meditation mental misdeeds are diminished. Mind in the world sometimes may be elevated or degraded, - this would appear as purity. Through the cultivation of wisdom one will understand the real nature of objects. All the bonds will be cut off, desire will be weakened and thus happiness is felt in life. These steps relating to physical, vocal, mental and spiritual purities will help one to be religious.

नोट : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए पाँच प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

बुद्ध ने धर्म को जीवनविधा बतलाते हुए उसके तीन चरणों की चर्चा की है। वे हैं-शील, समाधि तथा प्रज्ञा। इनका परिपूर्णन अनुक्रमिक होता है तथा ये एक-दूसरे के पूरक हैं। शील के परिपालन से कायिक तथा वाचसिक दुराचार समाप्त होते हैं, कायकर्म एवं वाचिक-कर्म परिशुद्ध हो जाते हैं। शील की अभिव्यक्ति विविध प्रकार के परिपालनीय नियमों के रूप में होती है, जिन्हें पंचशील अष्टशील, दशशील, इन्द्रिय सम्बरशील आदि नामों से व्यक्त किया जाता है। समाधि के अभ्यास से मानसिक दुष्कर्म प्रहीण हो जाते हैं। मन के धरातल पर जो कुछ भी आरोह-अवरोह होता है, वह परिशुद्ध रूप में होता है। प्रज्ञा की भावना से वस्तुओं के यथार्थ स्वरूप का बोध होता है। समस्त ग्रंथियाँ समाप्त हो जाती हैं, तृष्णा दुर्बल होने लगती है तथा जीवन में सुख का संचार होने लगता है। इस प्रकार शारीरिक वाचसिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक परिशुद्धि में धर्म सहायक है। वह व्यक्ति को परिशुद्ध करता है, व्यक्ति के समुदाय को परिशुद्ध करता है तथा उनसे निर्मित राज्य एवं राष्ट्र को परिशुद्ध करता है।

JAINA STUDIES

जैन-धर्म अध्ययन

SECTION - I

खण्ड – I

Note : *Read the passage below and answer the five questions in 30 words each given below :*

Lord Mahavīra preached that all souls are equal in their potential for infinite knowledge, infinite perception, infinite energy or power and unobstructed bliss. Jainism explains that from eternity the soul is in bondage of Karmic particles of matter and is ignorant of its true nature. It is due to ignorance of its true nature that the soul seeks pleasure in materialistic belongings and possessions and suffers. One can detach from Karma and attain liberation by removing its ignorance about its own nature. This can be achieved by following the path of Right faith (Samyak – Darśana) Right Knowledge (Samyak – Jnāna) and Right conduct (Samyak – Chāritra). This integrated trinity determines the spiritual path. It is called 'Triratna' also. Right Faith is a realization of Truth and Right Knowledge is the proper knowledge of reality, the six universals substance and nine tattavas or fundamental principles. Right conduct means to follow the five vratas (vows) and meditational practices.

नोट : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिये गए पाँच प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

भगवान् महावीर ने उपदेश दिया है कि सभी आत्माएँ आन्तरिक रूपसे अनन्त ज्ञान, अनन्त दर्शन, अनन्त वीर्य और अनन्त सुख से परिपूर्ण हैं। जैन धर्म स्पष्ट करता है कि अनादिकाल से आत्मा पौद्गलिक कर्म परमाणुओं और सही स्वभाव के अज्ञान से मुक्त है। अपने सही स्वभाव के अज्ञान के कारण आत्मा भौतिक वस्तुओं और संग्रहों में सुख मानता है और उससे दुखी होता रहता है। किन्तु व्यक्ति अपनी आत्मा के सही स्वभाव के अज्ञान को दूर कर (सही ज्ञान प्राप्त कर) कर्मों से छुटकारा पा सकता है और मुक्ति प्राप्त कर सकता है। यह मुक्ति सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान एवं सम्यक् चारित्र के पालन करने से प्राप्त की जा सकती है। इन तीनों की एक साथ साधना व्यक्ति के आध्यात्मिक मार्ग को प्रशस्त करती है। इनको 'त्रिरत्न' भी कहा गया है। सम्यक् दर्शन का अर्थ है सत्य का साक्षात्कार (तत्त्वों का श्रद्धान), सम्यक् ज्ञान का अर्थ है, संसार की वास्तविकता, छहद्रव्यों और नव तत्त्वों या पदार्थों का सही ज्ञान। सम्यक् चारित्र का अर्थ है- पाँच व्रतों का पालन और ध्यान साधना।

GANDHIAN AND PEACE STUDIES

गाँधी एवं शांती अध्ययन

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Carefully read the passage and answer the following questions arising out of it.

“Far be it from me to claim any degree of perfection for these experiments. I claim for them nothing more than does a scientist who, though he conducts his experiments with the utmost accuracy, forethought and minuteness, never claims any finality about his conclusions, but keeps an open mind regarding them. I have gone through deep self-introspection, searched myself through and through, and examined and analysed every psychological situation. Yet, I am far from claiming any finality or infallibility about any conclusions. One claim I do indeed make and it is this. For me they appear to be absolutely correct, and seem for the time being to be final. For if they were not, I should base no action on them. But at every step I have carried out the process of acceptance or rejection and acted accordingly. And so long as my acts satisfy my reason and my heart, I must firmly adhere to my original conclusions”.

नोट : नीचे का अंश ध्यान से पढ़कर उसके आधार पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें।

“इन प्रयोगों को पूर्ण मानने का हमारा आग्रह तो नहीं है मैं तो एक वैज्ञानिक की भांति अपना प्रयोग सम्पूर्ण निष्ठा, सूक्ष्मता और व्यापक दृष्टि से करता रहा है। फिर भी अपने निष्कर्ष के प्रति पूर्णता का दावा नहीं करता बल्कि उसके विषय में हमारा दिमाग खुला हुआ होता है। मैं भी गभीर अतिनिरीक्षण की प्रक्रिया से गुजरते हुए और बार बार अपने अन्दर झोकते हुए हर मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं की परीक्षा करता रहा है। जिससे हमारे निष्कर्ष निष्पन्न हुए। फिर भी मैं पूर्ण सत्य से काफी दूर हूँ और अपने निष्कर्षों को भी पूर्ण सत्य नहीं मानता हूँ। हाँ हमारा एक विनम्र दावा है कि मैं अपना निष्कर्ष को पूर्ण रूप से सही प्रतीत पाता हूँ जिसे मैं वर्तमान के लिये अंतिम सत्य समझता हूँ क्योंकि यदि ऐसा नहीं होगा तो हम कर्म की ओर प्रवृत्त नहीं हो सकते। किन्तु हर चरण पर मैं स्वीकृति अथवा अस्वीकृति दोनों ही के लिये मानसिक रूप से तैयार रहता हूँ। जब तक मेरा निष्कर्ष बृद्धि और हृदय को संतुष्ट करेगा, मैं अपने मूल निष्कर्ष के प्रति प्रतिबद्ध रहूँगा।”

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

1. What has Buddha discussed about the way of life ?

बुद्ध ने धर्म को जीवनविधा की चर्चा कितने चरणों में की है ?

OR / अथवा

In what form all souls are equal ?

किन बातों में सभी आत्माएँ समान हैं ?

OR / अथवा

Name the author and the title of the book from where this passage is taken.

इस अनुच्छेद के लेखक कौन थे और यह किस पुस्तक का अंश है ?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

2. How are the two types of misconduct ended through the observation of Morality ?

‘शील’ के परिपालन से कौन-से दो दुराचार समाप्त होते हैं?

OR / अथवा

What does soul feel due to ignorance of its true nature ?

सही स्वभाव के अज्ञान के कारण आत्मा क्या करता है?

OR / अथवा

Does the author claim any perfection ?

क्या लेखक अपने को पूर्ण मानते हैं?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

3. Which misdeed is averted through the cultivation of Meditation ?

‘समाधि’ के अभ्यास से कौन-सा दुष्कर्म पहीण हो जाता है?

OR / अथवा

How can one achieve liberation of soul ?

आत्मा की मुक्ति कैसे सम्भव है?

OR / अथवा

Whether the author went for any laboratory experiment or simply self-introspection.

क्या लेखक ने किसी प्रयोगशाला में प्रयोग किया या यह उनके अन्तःनिरीक्षण का परिणाम है?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

4. Of which kind of knowledge is attained through Wisdom ?

‘प्रज्ञा’ से कौन बोध प्राप्त होता है?

OR / अथवा

What is the meaning of Triratna ?

‘त्रिरत्न’ का क्या अर्थ है?

OR / अथवा

Whether self-introspection is a psychological or spiritual process or both ?

क्या अति:निरीक्षण एक मनोवैज्ञानिक या आध्यात्मिक प्रक्रिया है या दोनों?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

5. Which types of purity would help one to be religious ?

कौन-सी परिशुद्धि धर्म में सहायक है?

OR / अथवा

Explain the five vows (vratas) according to the Jainism.

जैन-धर्म के अनुसार पाँच व्रतों के अर्थ लिखिए।

OR / अथवा

Whether the author seems to you to be sceptic or a man of scientific spirit.

क्या लेखक आप को संशयवादी प्रतीत होते हैं या एक वैज्ञानिक वृत्ति के व्यक्ति ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

6. Write a brief note on the 'Middle Path' proclaimed by Buddha.

बुद्ध के द्वारा उपदेशित 'मध्यम मार्ग' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Describe the penance of Lord Mahavira in brief.

तीर्थंकर महावीर की तपस्या का संक्षेप में वर्णन करें।

OR / अथवा

Name the bird that symbolises peace and also that which symbolises war.

उस पक्षी का नाम बताइये जो शांति के और जो युद्ध के प्रतीक माने जाते हैं?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

7. Briefly describe the proceedings of the First Buddhist Council.

प्रथम बौद्ध संगीति (कौन्सिल) की कार्यवाही का संक्षेप में विवरण दीजिए।

OR / अथवा

What was the main work of last Jaina council ?

अंतिम जैन आगम वाचना (कौन्सिल) का प्रमुख कार्य क्या था ?

OR / अथवा

Name the Nobel Laureate in Chemistry who was also awarded Noble Peace Prize and who was also editor-in-chief of the Encyclopedia of Peace.

रसायन शास्त्र के उस नोबल पुरस्कार विजेता का नाम बतायें जिन्हें शांति के लिये भी नोबल पुरस्कार दिया गया था और जो शांति विश्वकोष के प्रधान सम्पादक थे।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

8. Who was responsible for the introduction of Buddhism to Tibet ? Write about him.

तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रचार किसने किया था ? उनका परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Write the meaning of Asteyavow in brief.

अस्तेय व्रत का अर्थ संक्षेप में लिखें।

OR / अथवा

What are the attributes of peace according to the Contemporary Peace Research ?

समकालीन शांति शोध के अनुसार शांति की विशेषताओं को बतायें।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

9. Discuss briefly the events of the last days of Buddha's life as depicted in the Mahāparinibbāna - Sutta.

‘महापरिनिब्बान-सुत्त’ में वर्णित बुद्ध के जीवन के अन्तिम दिनों की घटनाओं का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Which are the seven points of views in Jainism ?

जैन-धर्म में सप्त नय (seven points of views) कौन से हैं?

OR / अथवा

Which form of violence is communal riots ?

साम्प्रदायिक दंगे किस प्रकार की हिंसा है?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

10. Describe the Pratītyasamutpāda in brief.

‘प्रतीत्समुत्पाद’ को संक्षेप में लिखिये।

OR / अथवा

Write the names of twelve kinds of penance.

बारह प्रकार के तपों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

“Cow represents poem of pity”. Explain this statement of Gandhi in the background of Cow-Protection.

“गाय दया की एक कविता है।” गाँधी के इस कथन को गोरक्षा की पृष्ठ भूमि में व्याख्या करें

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

11. Write a note on the works of Dignāga.

दिगनाग के ग्रन्थों पर एक टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Write the names of Twelve Jaina Āgamas.

बाहर जैन आगमों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

Enumerate the items listed in Gandhi's Constructive Programme.

गाँधी के रचनात्मक कार्यक्रम के विषयों को गिनाइये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

12. Write a note on the Śīla and Ācāra of Buddhism.

बौद्ध धर्म के शील एवं आचार पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Which are the nine fundamentals in Jainism.

जैन-धर्म में नव तत्व क्या है?

OR / अथवा

“Khadi is not a piece of cloth but an idea”. What are the main values behind Khadi ?

“खादी वस्त्र नहीं, विचार है।” खादी के आधारभूत मूल्यों को बताइए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

13. Describe briefly the contents of the Pali Theragāthā.

पालि 'थेरगाथा' की विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Explain the Anekāntavāda in brief.

अनेकान्तवाद को संक्षेप में समझाइए।

OR / अथवा

What impresses you most in Gandhi's "Autobiography" ? Explain.

गाँधीजी की आत्मकथा की कौन सी बात आपको सबसे अधिक प्रभावित करती है? बताइए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

- 14.** Describe briefly the Mahābodhi Temple at Bodh - Gaya from the architectural point of view.

बोध गया में स्थित महाबोधि मन्दिर का संक्षिप्त वर्णन स्थापत्य कला की दृष्टि से कीजिए।

OR / अथवा

What are the five kinds of knowledge ? Explain.

पाँच प्रकार के ज्ञान क्या हैं? समझाइए।

OR / अथवा

Discuss the effectiveness or otherwise of "People to People Contact" in resolving Indo-Pak Conflict.

भारत-पाक-संघर्ष के समाधान के लिये जनता के स्तर पर किये जा रहे की सफलता-असफलता के विषय में अपने विचार दीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

15. Write a brief note on the introduction of Buddhism to Japan.

जापान में बौद्ध धर्म के प्रवेश पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Write the name of five texts of Ācārya Haribhadrasūri.

आचार्य हरीभद्रसूरि के पाँच ग्रन्थों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

What is 'true civilization' according to Gandhi ? Explain.

गाँधीजी के अनुसार "सच्ची सभ्यता" क्या है? बताइये।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

16. Write a brief note on the Buddhist themes of mural paintings of Ajanta Cave.

अजन्ता गुफा के भित्तिचित्र की बौद्ध विषय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Explain the meaning of Non-violence in brief.

अहिंसा का अर्थ संक्षेप में समझाइए।

OR / अथवा

Did Gandhi believe in caste system based on birth ? If no, what was his solution ?

क्या गाँधी जन्म पर आधारित जाति प्रथा में विश्वास करते थे ? यदि नहीं तो उनका समाधान क्या था ?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

17. Discuss briefly the main features of Ten-dai Buddhism of China.

चीन के तेन-दाई बौद्ध धर्म की मुख्य विशेषताओं की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

What is the speciality of Śravaṇabelagola ?

श्रवणबेलगोला की विशेषता क्या है?

OR / अथवा

How Gandhi defined God ? Did he say - "God is Truth" or "Truth is God" ?

गाँधी ने ईश्वर की किस रूप से परिभाषा की? "ईश्वर सत्य है" या "सत्य ईश्वर है"?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

18. Write a brief note on the way to Nirvāṇa according to Buddhism.

बौद्ध धर्म के अनुसार 'निर्वाण'-मार्ग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Write the meaning of four kinds of Charity (Dāna) in Jainism.

जैन-धर्म में चार प्रकार के दानों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

What is Sarvodaya ? What are three principles of Ruskin ?

सर्वोदय का अर्थ क्या है? रस्किन के अनुसार सर्वोदय के तीन सिद्धान्त क्या-क्या हैं?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

19. Write, in brief, about the subject - matter of the Vinaya - Pitaka.

विनयपिटक की विषयवस्तु का संक्षिप्त विवरण दें।

OR / अथवा

What is the importance of vegetarianism in life ?

जीवन में शाकाहार का क्या महत्त्व है?

OR / अथवा

Explain structural violence with an example.

संरचनात्मक हिंसा का एक उदाहरण देकर समझाइये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

20. Name the titles of the texts of the Pali Abhidhamma-Pitaka.

पालि अभिधम्मपिटक के ग्रन्थों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

Give an brief introduction of Śwetāmbara School of Jainism.

जैन-धर्म के श्वेताम्बर सम्प्रदाय का संक्षिप्त परिचय दें।

OR / अथवा

Gandhi believed in the “least government”. Explain.

गाँधीजी कम से कम शासन में विश्वास करते थे। समझाइये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to answered in about two hundred (200) words. (12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। (12x5=60 अंक)

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN AND PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गांधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. Discuss the subject - matter of the Visuddhimagga in brief.
विशुद्धिमगग की विषयवस्तु संक्षेप में लिखिए।

OR / अथवा

Throw light on the subject matter of the Pravacanasāra of Ācārya Kundakunda.
आचार्य कुन्दकुन्द के प्रवचनसार की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

The role of women in the salt satyagraha was exemplary. Comment.
“नमक-सत्याग्रह में महिलाओं की प्रशंसनीय भूमिका थी।” अपनी टिप्पणी लिखें।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

22. “The Four Noble Truths (Arya Satyas) happen to be the cardinal principles of Buddhism”. - Discuss.

“चार आर्य सत्य (चत्तारि आर्यसत्यानि) बौद्ध धर्म के आधार-भूत सिद्धान्त हैं।” - विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Explain the nature of six substance according to Jainism.

जैन-धर्म के अनुसार छह द्रव्यों के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

“Truth is God”, explain.

“सत्य ईश्वर है।” व्याख्या करें।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

23. Describe briefly the contents of the Dhammapada.

‘धम्मपद’ की विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Describe the impact of Jainism on society.

‘जैन धर्म का समाज पर प्रभाव’ विषय की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Which are the three axioms of ‘Sarvodya’ according to Gandhi ?

महात्मागाँधी की दृष्टि में सर्वोदय के तीन सिद्धान्तों को स्पष्ट करें।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

24. Write a note on two eminent women of the Buddhist tradition.

बौद्ध परंपरा की दो प्रसिद्ध नारियों पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Write a short note on Jaina Iconography.

जैन मूर्तिकला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Untouchability is a blemish on Hinduism. Examine.

“अस्पृश्यता मानवता का एक कलंक है।” इसका मूल्यांकन प्रस्तुत करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

BUDDHIST STUDIES/बौद्ध अध्ययन

26. Discuss the relevance of Buddhist teachings in modern society.

बौद्ध धर्म की शिक्षाओं की आधुनिक समाज के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Write a note on Buddhism and Ecology.

बौद्ध धर्म और पर्यावरण-विज्ञान पर टिप्पणी लिखिए।

JAINA STUDIES/जैन-धर्म अध्ययन

Write an essay on the basic principles of Jainism

जैन-धर्म के आधारभूत सिद्धान्तों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the path of liberation in Jainism.

जैन-धर्म में मोक्षमार्ग पर एक निबन्ध लिखिए।

GANDHIAN AND PEACE STUDIES/गाँधी एवं शांती अध्ययन

Gandh said "My life is my message". Discuss.

"मेरा जीवन मेरा संदेश है।" गाँधी के इस वाक्य का व्याख्या करें।

OR / अथवा

"Wars originate in the minds of men". Discuss.

"युद्ध का प्रादुर्भाव मानव-मस्तिष्क से होता है।" विवेचना करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date